

रोहन

# कलरव

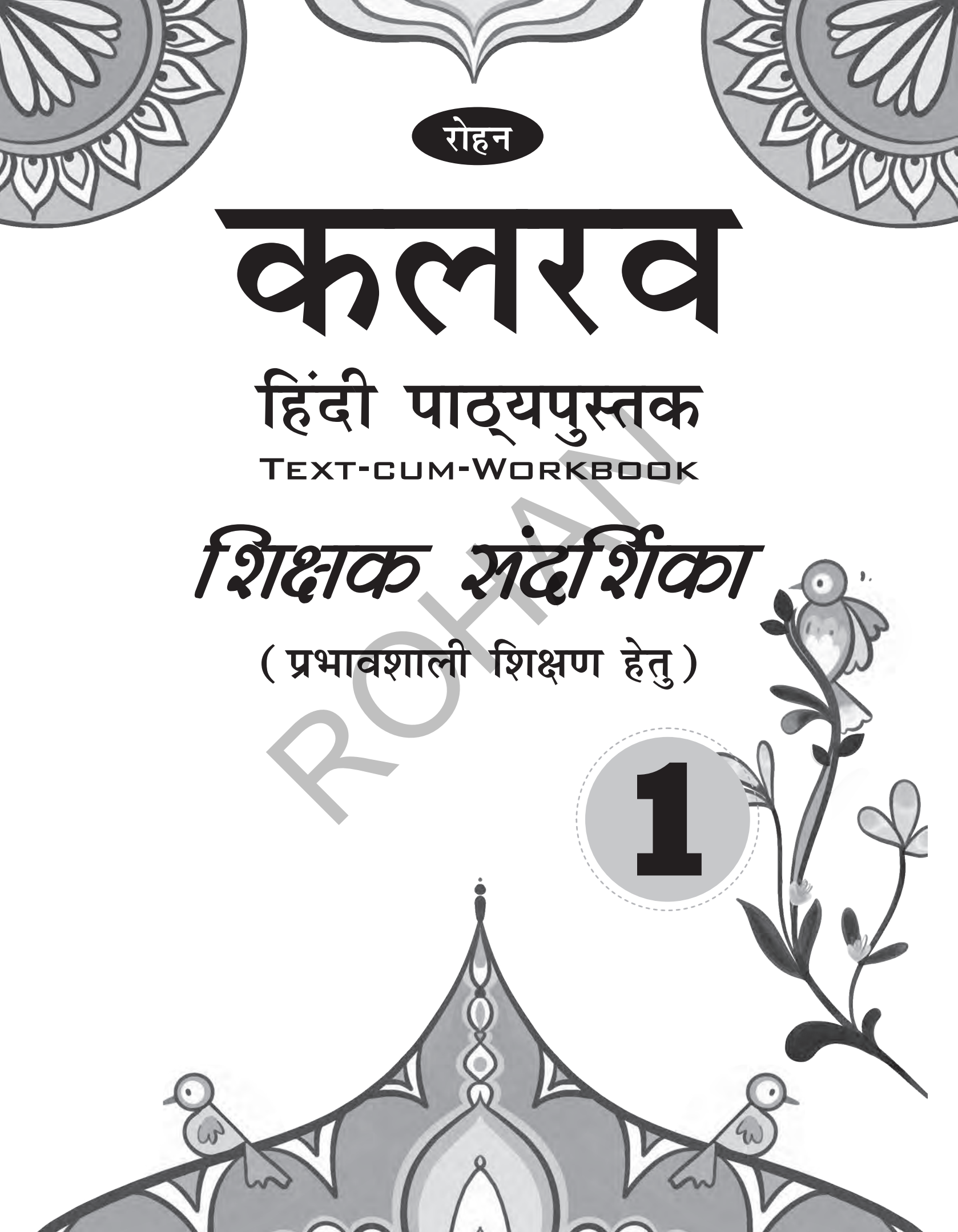
हिंदी पाठ्यपुस्तक

TEXT-CUM-WORKBOOK

शिक्षक संदर्शिका

( प्रभावशाली शिक्षण हेतु )

1



# दो शब्द

प्रिय शिक्षकगण

आपको हमारा नमन! वर्तमान शिक्षा प्रणाली का सर्वोच्च उद्देश्य मूल्यांकन तथा अध्यापन-अधिगम प्रक्रिया को सरल, रोचक एवं प्रभावशाली बनाना है। यह कथन सर्वविदित है कि मूल्यांकन अध्यापन एवं अधिगम प्रक्रिया का अभिन्न अंग है तथा मूल्यांकन करते समय विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखा जाना चाहिए। 'कलरव' शिक्षक संदर्शिका इसी महत्वपूर्ण उद्देश्य की पूर्ति हेतु उठाया गया कदम है।

**प्रस्तुत शिक्षक संदर्शिका की प्रमुख विशेषताएँ निम्नलिखित हैं—**

- **पाठ योजनाएँ**— शिक्षक/शिक्षिका के लिए पाठ योजना का निर्माण उतना ही आवश्यक है जितना की एक अभियंता के लिए भवन-निर्माण हेतु ब्लू प्रिंट अथवा मानचित्र बनाना। कक्षा में शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया की सफलता हेतु पाठ योजना अत्यंत आवश्यक है। इस शिक्षक संदर्शिका के अंतर्गत पाठ्यपुस्तक में दिए गए प्रत्येक पाठ की पाठ योजना का समावेश किया गया है। पाठ से संबंधित गतिविधियों द्वारा पाठ्यवस्तु को रोचक तथा सरल बनाने का प्रयास किया गया है।
- **उत्तरमाला**— उत्तरमाला प्रत्येक पाठ के प्रश्नों के उत्तरों को समाहित करती है।
- **अभ्यास-पत्र एवं प्रश्नावली**— इनके अंतर्गत अधिगम की जाँच हेतु विभिन्न प्रकार के प्रश्नों का समावेश किया गया है। विद्यार्थियों की सृजनात्मक क्षमता के विकास हेतु सृजनात्मक लेखन जैसे कल्पना-आधारित प्रश्नों को भी सम्मिलित किया गया है।

हमें आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि यह शिक्षक संदर्शिका आपके लिए एक अद्भुत सहायक सिद्ध होगी।

—प्रकाशक

# विषय सूची

क्र. सं.	पाठ का नाम	पृष्ठ सं.
1.	वर्णमाला	5
2.	शब्द-रचना	7
3.	'आ' (I) की मात्रा	9
4.	'इ' (i) की मात्रा	11
5.	'ई' (ī) की मात्रा	13
6.	'उ' (u) की मात्रा	15
7.	'ऊ' (ū) की मात्रा	17
8.	ऋ (ṛ) की मात्रा	19
9.	'ए' (ē) की मात्रा	20
10.	'ऐ' (āi) की मात्रा	22
11.	'ओ' (ō) की मात्रा	24
12.	'औ' (āu) की मात्रा	26
•	अभ्यास-पत्र - 1	28
13.	अनुस्वार- 'अं' (ṅ)	29
14.	अनुनासिक- 'अँ' (ṅ̃)	31
15.	विसर्ग- 'अः' (ḥ)	33
16.	बारहखड़ी	34
17.	'र' के रूप	35
18.	संयुक्त व्यंजन	37
19.	द्वित्व व्यंजन व संयुक्ताक्षर	39
20.	ड़-ढ़, ज़-फ़, औ (āu)	41
21.	पक्षियों की दावत	43
22.	जन्मदिवस	45
23.	नटखट चिट्ठू	47
•	अभ्यास-पत्र - 2	49

कालांशों की संख्या: 5

उद्देश्य:

- वर्णमाला की पुनरावृत्ति द्वारा स्वर व व्यंजन का उचित ज्ञान देना।
- वर्णमाला का सही उच्चारण करना सिखाना।
- वर्ण-संरचना की ओर विशेष ध्यान देना।

### पाठ योजना

दिन	गतिविधि
पहला दिन	<ul style="list-style-type: none"> <li>⊙ बच्चे पिछली कक्षा में वर्णमाला का ज्ञान प्राप्त कर चुके हैं। उनसे कुछ प्रश्न पूछिए-               <ol style="list-style-type: none"> <li>1. अनार, ओखली, गमला, चम्मच आदि के चित्र दिखाकर नाम पूछिए व बच्चों से केवल इनके पहले वर्ण का उच्चारण करने को कहिए।</li> <li>2. बच्चों से अपना-अपना नाम बताने को कहिए व पूछिए कि यह किस वर्ण से शुरू होता है। इस प्रकार वर्णमाला संबंधी पूर्वज्ञान परीक्षण के पश्चात् बच्चों को पाठ्य-पुस्तक में पृष्ठ 10 से वर्णमाला पढ़ाइए। पहले अध्यापक/अध्यापिका वर्णमाला का गाकर वाचन करेंगे। बच्चे भी उनका अनुकरण करते हुए सस्वर वाचन करेंगे।</li> </ol> </li> <li>⊙ बच्चों को 5-5 के समूह में बाँटकर वर्ण दीजिए और उनसे संबंधित परिवार, मित्र, रिश्तेदार, फल, सब्जी आदि के चित्र खोजकर लाने के लिए कहिए।</li> </ul>
दूसरा दिन	<ul style="list-style-type: none"> <li>⊙ बच्चों द्वारा लाए गए चित्रों पर चर्चा करवाइए। इस गतिविधि में हर बच्चे की प्रतिभागिता रहेगी। बच्चे चित्र व उसके पहले वर्ण के बारे में बताएँगे।</li> <li>⊙ अध्यापक/अध्यापिका किसी भी चित्र को दिखाकर उसका पहला वर्ण लिखने के लिए कहेंगे। इस गतिविधि से बच्चों के लेखन-कौशल का विकास होगा।</li> <li>⊙ अध्यापक/अध्यापिका वर्ण-संरचना में सुधार करवाएँगे।</li> </ul>
तीसरा दिन	<ul style="list-style-type: none"> <li>⊙ यह दिन सामूहिक गतिविधि का होगा।</li> <li>⊙ बच्चों के एक समूह को अक्षर कार्ड दीजिए व दूसरे समूह को चित्र।</li> <li>⊙ पहले समूह से एक बच्चा एक वर्ण बोलेगा, दूसरे समूह का बच्चा उस वर्ण से बनने वाले चित्र का नाम बोलकर पहले समूह के बच्चे के साथ खड़ा हो जाएगा।</li> <li>⊙ एक पंक्ति में वर्ण वाले, दूसरी पंक्ति में चित्र वाले बच्चे खड़े हो जाएँगे। (ध्यान रहे, चित्र पाठ्य-पुस्तक में दिए गए चित्रों से भिन्न हो)</li> </ul>
चौथा दिन	<ul style="list-style-type: none"> <li>⊙ कला एकीकृत गतिविधि के अंतर्गत बच्चों को किसी एक वर्ण से शुरू होने वाले चित्र को बनाने के लिए कहिए।</li> <li>⊙ बच्चों की मौखिक अभिव्यक्ति को सुदृढ़ करने के लिए उन्हें किसी भी स्वर या व्यंजन का चयन करके 4-5 पंक्तियों की एक कहानी सुनाने के लिए कहिए। जैसे- वर्ण- क</li> </ul>

	<p>कबूतर ने कौए से कहा कि तुम काले हो। हमेशा काँव-काँव करते रहते हो। कौआ बोला-कोयल भी तो काली होती है.....?</p> <p>⊙ इस गतिविधि से बच्चों की बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।</p> <p>⊙ एक-एक बच्चे को ब्लैक बोर्ड के पास बुलाकर शब्द लिखने को कहिए।</p> <p>⊙ उनके शब्द लिखने में त्रुटि हो तो सही शब्द साथ में लिखिए।</p> <p>⊙ बच्चे ब्लैक बोर्ड से सही शब्द देखकर अपने शब्दों व वाक्यों की जाँच करेंगे साथ ही स्वयं को अंक भी देंगे।</p>
<b>पाँचवाँ दिन</b>	⊙ बच्चों को पृष्ठ 13 पर दिया गया अभ्यास करने के लिए कहिए।

**अधिगम के परिणाम:** 1. बच्चे स्वर और व्यंजन से भली-भाँति परिचित होंगे।

2. बच्चे भिन्न-भिन्न रूपों में की गई वर्णमाला की पुनरावृत्ति से शुद्ध उच्चारण करना सीखेंगे।

3. बच्चे वर्णों को सुचारू रूप से लिखना सीखेंगे।

4. उनकी मौखिक अभिव्यक्ति सुदृढ़ होगी।

ROHMAN